तुरंत जारी करने हेतु

(प्रेस विज्ञप्ति सं. 09/2020)

प्रेस के लिए सूचना नोट

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2020

(www.trai.gov.in)

30 नवंबर, 2020 को समाप्त मासिक अवधि के अनुसार दूरसंचार उपभोक्ता डाटा से संबंधित मुख्य झलकियां

विवरण	वायरलैस	वायरलाइन	कुल (वायरलैस + वायरलाइन)
टेलीफोन उपभोक्ताओं की कुल संख्या (मिलियन में)	**1154.59**	**21.29**	**1175.88**
नवंबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-28.82	-0.16	-28.97
मासिक वृद्धि दर	-2.43%	-0.73%	-2.40%
शहरी टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**647.33**	**18.66**	**665.99**
नवंबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-15.59	-0.11	-15.70
मासिक वृद्धि दर	-2.35%	-0.58%	-2.30%
ग्रामीण टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**507.26**	**2.63**	**509.89**
नवंबर, 2019 में जुड़े निबल नए उपभोक्ता (मिलियन में)	-13.22	-0.05	-13.27
मासिक वृद्धि दर	-2.54%	-1.81%	-2.54%
समग्र दूरसंचार–घनत्व *	**87.29**	**1.61**	**88.90**
शहरी दूरसंचार–घनत्व*	152.92	4.41	157.33
ग्रामीण दूरसंचार–घनत्व*	56.40	0.29	56.69
शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	56.07%	87.63%	56.64%
ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी	43.93%	12.37%	43.36%
ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)	**642.14**	**19.13**	**661.27**

- नवंबर, 2019 के माह में 4.88 मिलियन उपभोक्ताओं ने मोबाइल नम्बर पोर्टिबिलिटी (एमएनपी) हेतु अपने अनुरोध दर्ज करवाए हैं। इसके साथ ही एमएनपी आरंभ होने के तिथि से अक्टूबर, 2019 के अंत तक संचयी एमएनपी अनुरोध 461.73 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2019 के अंत तक 466.62 मिलियन हो गया।

- नवंबर, 2019 के अंत तक सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (अधिकतम वीएलआर# की तिथि पर) की संख्या 979.09 मिलियन थी।

नोट :

– इस प्रेस विज्ञप्ति में उपलब्ध कराई गई जानकारी सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर आधारित है।

* महापंजीयक तथा भारतीय जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित किए गए जनगणना के आंकड़ों से लगाए गए जनसंख्या के अनुमान पर आधारित।

\# विजिटर लोकेशन रजिस्टर का संक्षिप्ताक्षर वीएलआर है। विभिन्न टीएसपी हेतु अधिकतम वीएलआर की तिथि, विभिन्न सेवा क्षेत्रों में अलग–अलग है।

I. कुल टेलीफोन उपभोक्ता

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,204.85 मिलियन से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 1,175.88 मिलियन हो गई, जिसमें मासिक ह्रास दर 2.40 प्रतिशत दर्ज की गयी। अक्टूंबर, 2019 के अंत तक शहरी उपभोक्ताओं की संख्या 681.69 मिलियन से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 665.99 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या भी 523.16 मिलियन से घटकर 509.89 मिलियन हो गई। नवंबर, 2019 माह के दौरान शहरी और ग्रामीण उपभोक्ताओं की मासिक ह्रास दर क्रमशः 2.30 प्रतिशत तथा 2.54 प्रतिशत रही।

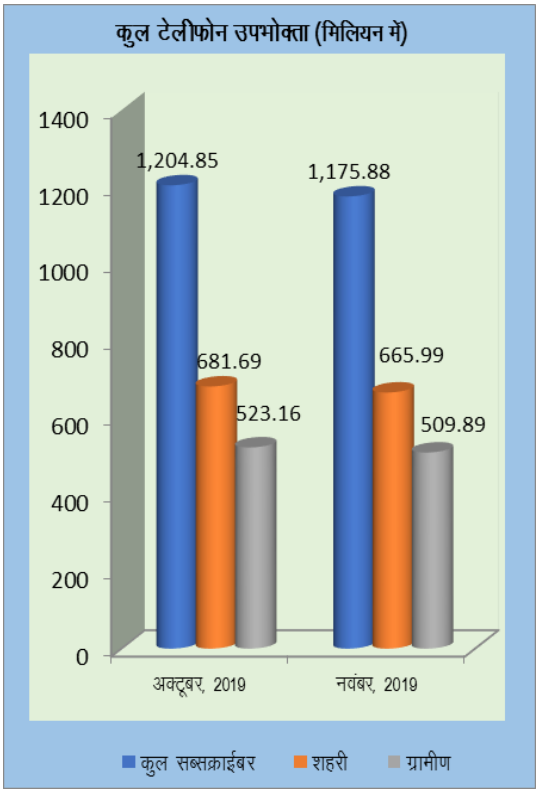

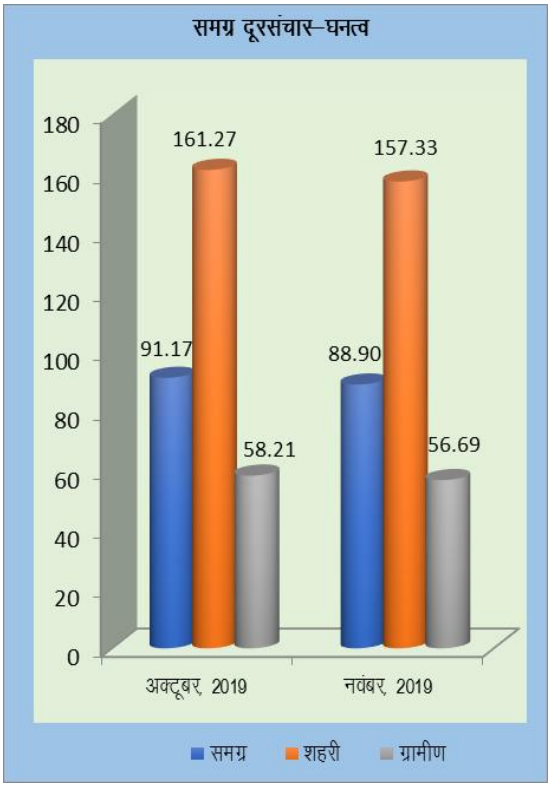

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 91.17 से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 88.90 हो गया। शहरी दूरसंचार घनत्व अक्टूबर, 2019 के अंत तक 161.27 से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 157.33 हो गया, तथा ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी अक्टूबर, 2019 के अंत तक 58.21 से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 56.69 हो गया। नवंबर, 2019 के अंत तक शहरी और शहरी उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल टेलिफोन उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.64 प्रतिशत तथा 43.36 प्रतिशत थी।

दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार समग्र दूरसंचार–घनत्व (सेवाक्षेत्र/राज्यवार)

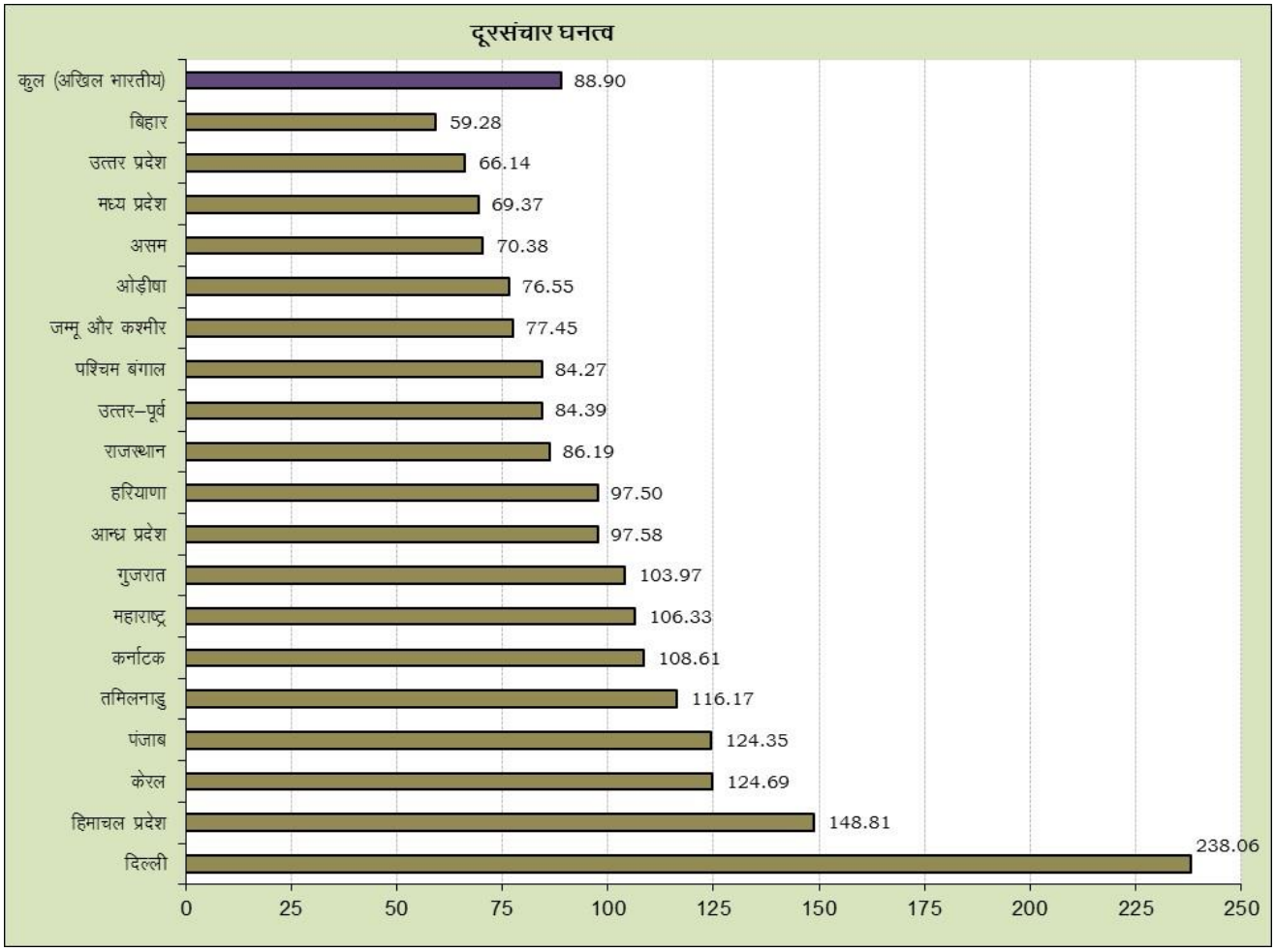

- उपर्युक्त चार्ट में देख जा सकता है कि नवंबर, 2019 के अंत में नौ राज्यों में टेलि–घनत्व, अखिल भारत के औसत टेलि–घनत्व से कम रहा है। दिल्ली सेवा क्षेत्र में अधिकतम टेलि–घनत्व 238.06 रहा जबकि इसी दौरान बिहार सेवा क्षेत्र में न्यूनतम टेलि–घनत्व 59.28 रहा है।

नोट :

1. जनसंख्या आंकड़े/अनुमान केवल राज्यवार ही उपलब्ध हैं।
2. दूरसंचार घनत्व के आंकड़ों को टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के द्वारा उपलब्ध कराए गए उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों तथा भारत के महापंजीयक तथा जनगणना आयुक्त के कार्यालय द्वारा प्रकाशित जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर गणना की गई है।
3. दिल्ली के लिए टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़ों में दिल्ली राज्य के आंकड़ों के अलावा, गाजियाबाद, और नोएडा (उत्तर प्रदेश में स्थित) तथा गुड़गांव और फरीदाबाद (हरियाणा में स्थित) के स्थानीय एक्सचेजों के दायरे में आने वाले क्षेत्रों हेतु वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या के आंकड़े शामिल हैं।
4. पश्चिम बंगाल में कोलकाता, महाराष्ट्र में मुंबई, तमिलनाडू में चेन्नई तथा उत्तर प्रदेश में उ0प्र0(पूर्व) एवं उ0प्र0(पश्चिम) सेवा क्षेत्रों की सूचनायें शामिल है।
5. ऑंध्र प्रदेश में तेलंगाना, बिहार में झारखंड, मध्य प्रदेश में छत्तीशगढ़, महाराष्ट्र में गोवा, उत्तर प्रदेश में उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल में सिक्किम तथा उत्तर–पूर्व में अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजारम, नागालैंड एवं त्रिपुरा राज्यों को शामिल किया गया है।

II. श्रेणीवार वृद्धि

नवंबर, 2019 माह में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

सेवा क्षेत्र श्रेणी	नवंबर, 2019 के माह में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता		दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार उपभोक्ताओं की संख्या	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-46,765	-6,064,864	8,249,024	397,546,259
श्रेणी – ख	-76,306	-16,300,283	5,128,851	465,595,054
श्रेणी – ग	-7,758	-4,010,485	845,195	174,342,684
महानगर	-25,905	-2,439,761	7,067,029	117,103,920
अखिल भारतीय	**-156,734**	**-28,815,393**	**21,290,099**	**1,154,587,917**

नवंबर, 2019 माह में सेवा क्षेत्र श्रेणीवार टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक एवं वार्षिक प्रतिशत वृद्धि दर

सेवा क्षेत्र श्रेणी	मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (अक्टूबर, 2019 से नवंबर, 2019 तक)		वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत में) (नवंबर, 2018 से नवंबर, 2019 तक)	
	वायरलाइन	वायरलेस	वायरलाइन	वायरलेस
श्रेणी – क	-0.56	-1.50	-4.59	-1.29
श्रेणी – ख	-1.47	-3.38	-6.56	-2.52
श्रेणी – ग	-0.91	-2.25	-9.77	-0.95
महानगर	-0.37	-2.04	2.57	1.51
अखिल भारतीय	**-0.73**	**-2.43**	**-3.06**	**-1.47**

नोट : सेवाक्षेत्र श्रेणी महानगर में दिल्ली, मुंबई और कोलकाता शामिल हैं। चेन्नई के आंकड़ों को तमिलनाडु के भाग के रूप में सेवाक्षेत्र श्रेणी 'क' में सम्मिलित किया गया है।

- जैसा कि उपर्युक्त तालिकाओं में देखा जा सकता है कि नवंबर, 2019 माह के दौरान वायरलेस क्षेत्र में सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। इसी दौरान वार्षिक आधार पर महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में मासिक ह्रास दर्ज की गई है।

- वायरलाइन क्षेत्र में नवंबर, 2019 माह के दौरान सभी श्रेणियों के सेवा क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर्ज की गई है। इसी दौरान वार्षिक आधार पर केवल महानगर श्रेणी के सेवा क्षेत्रों में वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक वृद्धि दर्ज की गई है, अन्य सभी श्रेणियों में मासिक ह्रास दर्ज की गई है।

III. वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ता

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक कुल वायरलेस टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या 1,183.40 मिलियन से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 1,154.59 मिलियन हो गई जिसमें मासिक ह्रास दर 2.43 प्रतिशत दर्ज की गई। शहरी क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या अक्टूबर, 2019 के अंत तक 662.92 मिलियन से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 647.33 मिलियन हो गई, तथा इसी अवधि के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या 520.48 मिलियन से घटकर 507.26 मिलियन हो गई। इस माह के दौरान शहरी और ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में मासिक ह्रास दर क्रमशः 2.35 प्रतिशत तथा 2.54 प्रतिशत रही।

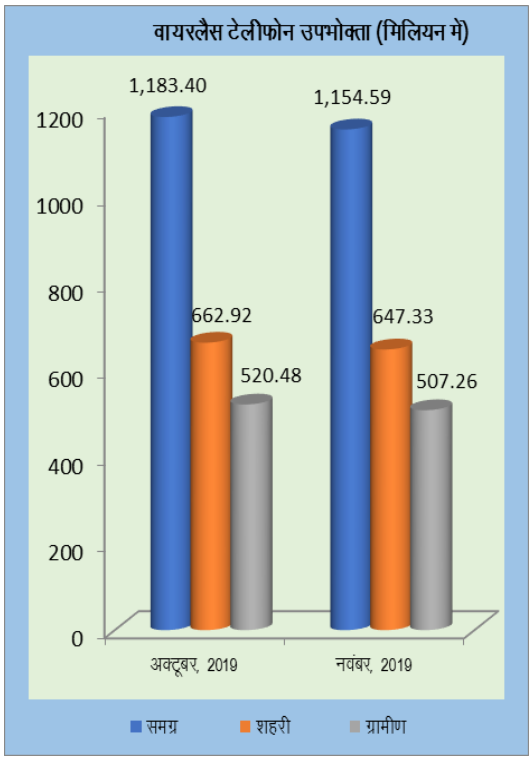

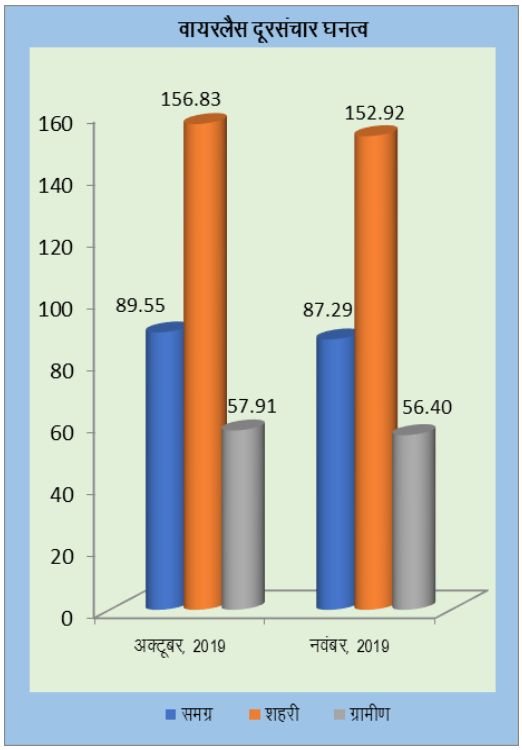

- अक्टूबर, 2019 के अंत तक वायरलेस दूरसंचार घनत्व 89.55 से घटकर अक्टूबर, 2019 के अंत तक 87.29 हो गया। शहरी क्षेत्रों में अक्टूबर, 2019 के अंत में वायरलेस दूरसंचार घनत्व 156.83 से घटकर नवंबर, 2019 के अंत में 152.92 हो गया, तथा इसी दौरान ग्रामीण वायरलेस दूरसंचार घनत्व 57.91 से घटकर 56.40 हो गया। नवंबर, 2019 के अंत तक शहरी तथा ग्रामीण वायरलेस उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में क्रमशः 56.07 प्रतिशत तथा 43.93 प्रतिशत थी। वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का विस्तृत आंकड़ा अनुलग्नक–I में उपलब्ध हैं।

- दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार, निजी सेवा प्रदाताओं के पास वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 89.51 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी जबकि दो सार्वजनिक क्षेत्रों के टेलिफोन सेवा प्रदाताओं नामतः बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास केवल 10.49 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी थी।

- वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में बाजार हिस्सेदारी तथा वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निवल नए ग्राहकों के शामिल होने को रेखाचित्र के रूप में नीचे प्रदर्शित किया गया है:–

30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार सेवा प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

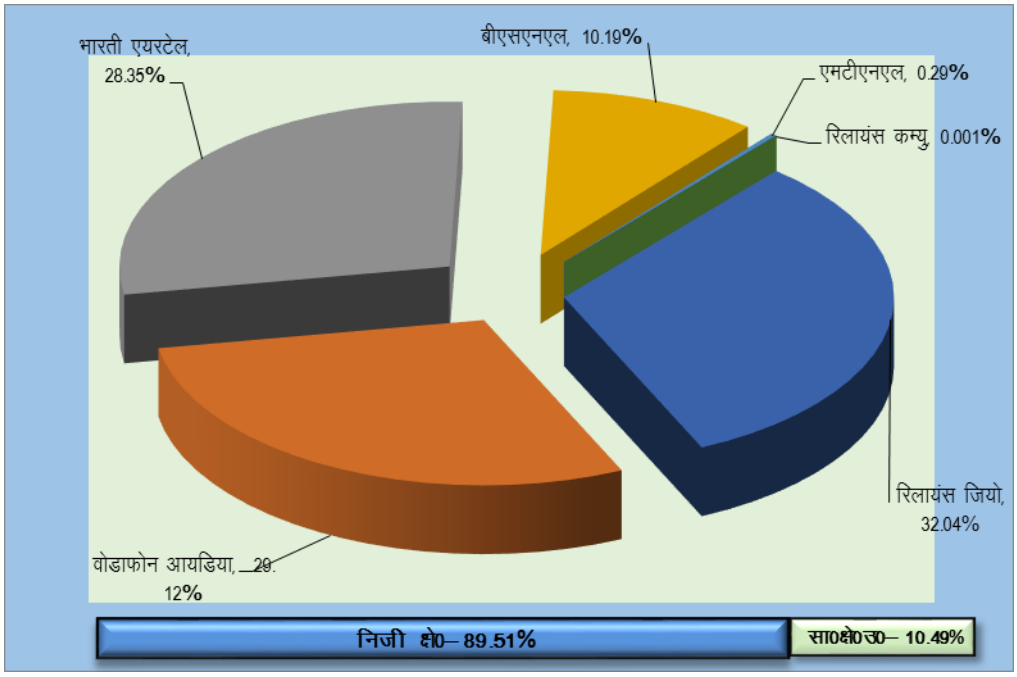

नवंबर, 2019 के माह के दौरान टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए निबल नए उपभोक्ता

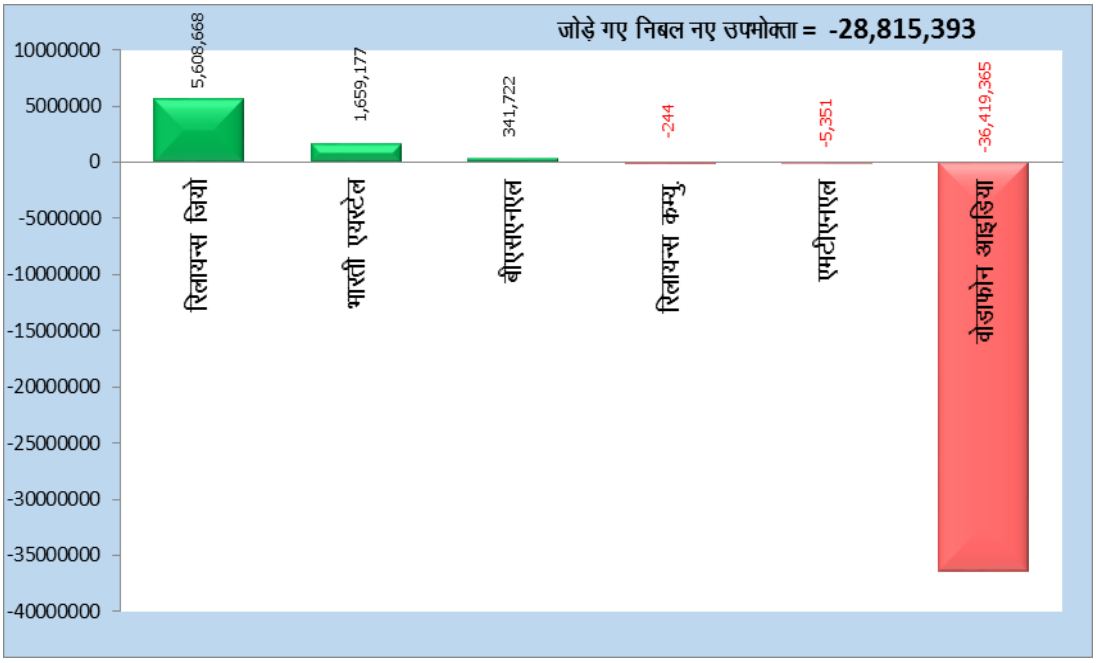

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के वर्चुअल नेटवर्क ऑपरेटर ने अक्टूबर, 2018 माह सें अपने उपभोक्ताओं की संख्या को रिपोर्ट करना आरंभ किया है जिसे इस रिपोर्ट में मेसर्स बीएसएनसल के उपभोक्ताओं की संख्या में शामिल किया गया है।

IV. सक्रिय वायरलेस उपभोक्ता (वीएलआर आंकड़े)

- नवंबर, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर कुल वायरलैस उपभोक्ताओं की संख्या (1,154.59 मिलियन) में से 979.09 मिलियन वायरलेस उपभोक्ता सक्रिय थे। कुल उपभोक्ताओं की संख्या की तुलना में सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं का अनुपात लगभग 84.80 प्रतिशत था।

- नवंबर, 2019 के माह में अधिकतम वीएलआर की तिथि पर सक्रिय वायरलेस उपभोक्ताओं (जिसे वीएलआर उपभोक्ता भी कहा जाता है) के अनुपात के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**II** में उपलब्ध हैं तथा वीएलआर उपभोक्ताओं की संख्या की जानकारी प्रदान करने हेतु उपयोग की गई पद्धति अनुलग्नक– **IV** में उपलब्ध है।

नवंबर, 2019 माह के दौरान का टेलीफोन सेवा प्रदातावार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

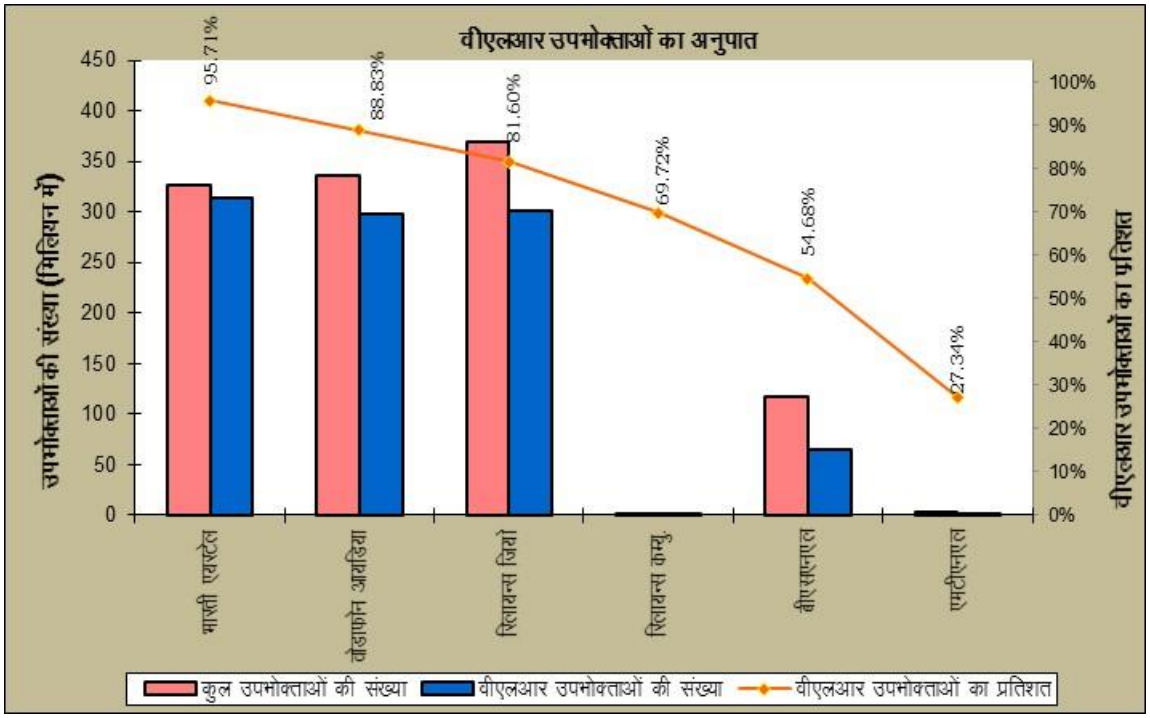

- नवंबर, 2019 माह में भारती एयरटेल का अधिकतम वीएलआर की तिथि में वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 95.71 प्रतिशत है जो कि सभी वायरलेस टेलिफोन सेवा प्रदाताओं में अधिकतम है। इसी दौरान एमटीएनएल के वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात उसके कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या का 27.34 प्रतिशत अर्थात् न्यूनतम रहा।

नवंबर, 2019 माह के दौरान सेवा क्षेत्रवार वीएलआर उपभोक्ताओं का अनुपात

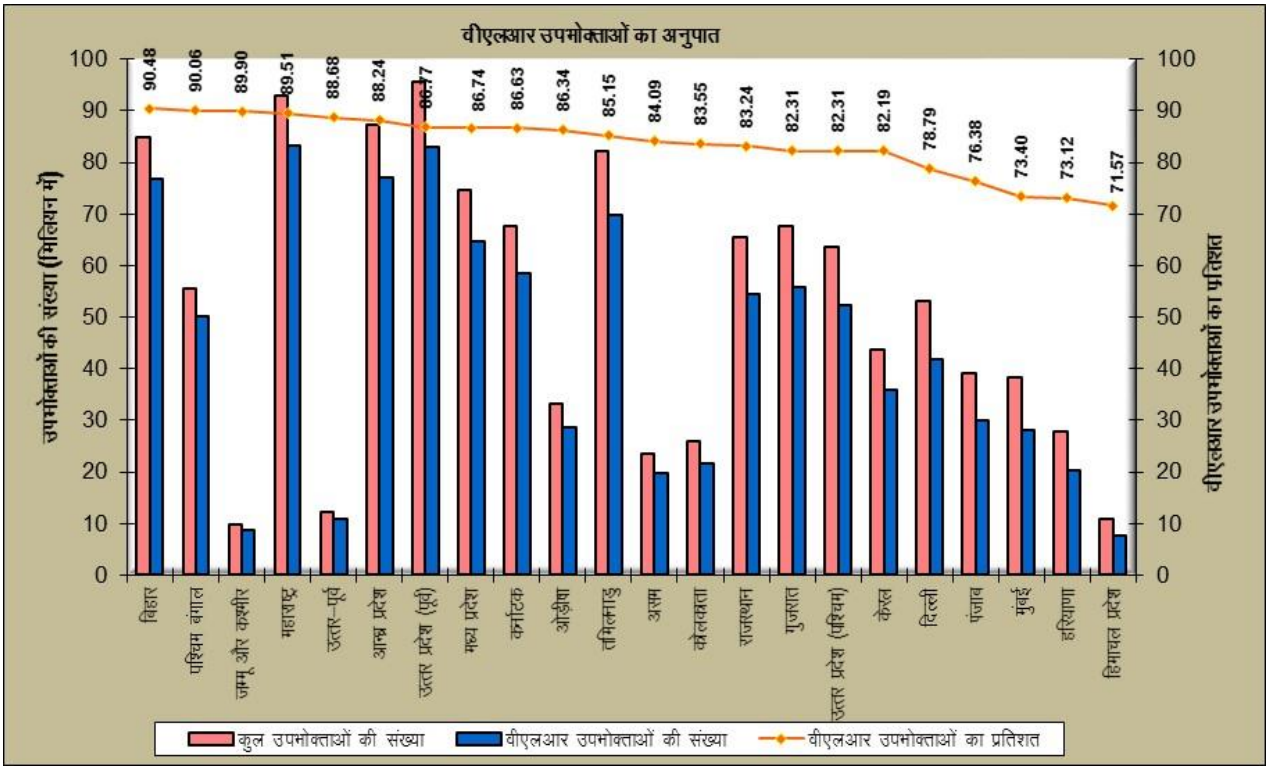

V. वायरलैस उपभोक्ताओं की वृद्धि दर

नवंबर, 2019 माह के दौरान सेवा–प्रदातावार वायरलेस उपभोक्ताओं आधार में मासिक वृद्धि दर

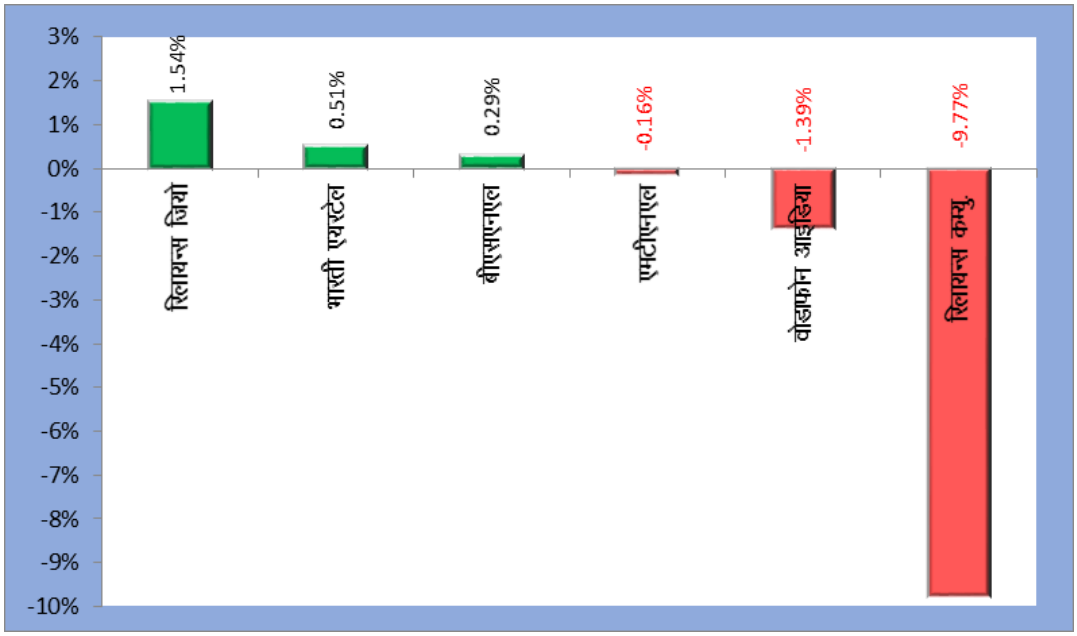

नोट – 1. भारती एयरटेल ने अपने कुल उपभोक्तओं की संख्या में टाटा टेलिसर्विसेज के उपभोक्ताओं की संख्या को शामिल किया है हालांकि दूरसंचार विभाग ने अभी उन दोनो के विलय की मंजूरी नहीं दी है।

2. बीएसएनएल के उपभोक्ताओं की संख्या एवं वृद्धि दर में उनके वीएनओ के उपभोक्ताओं की संख्या सम्मिलित है

नवंबर, 2019 माह के दौरान सेवा–क्षेत्रवार वायरलेस उपभोक्ता आधार में मासिक वृद्धि दर

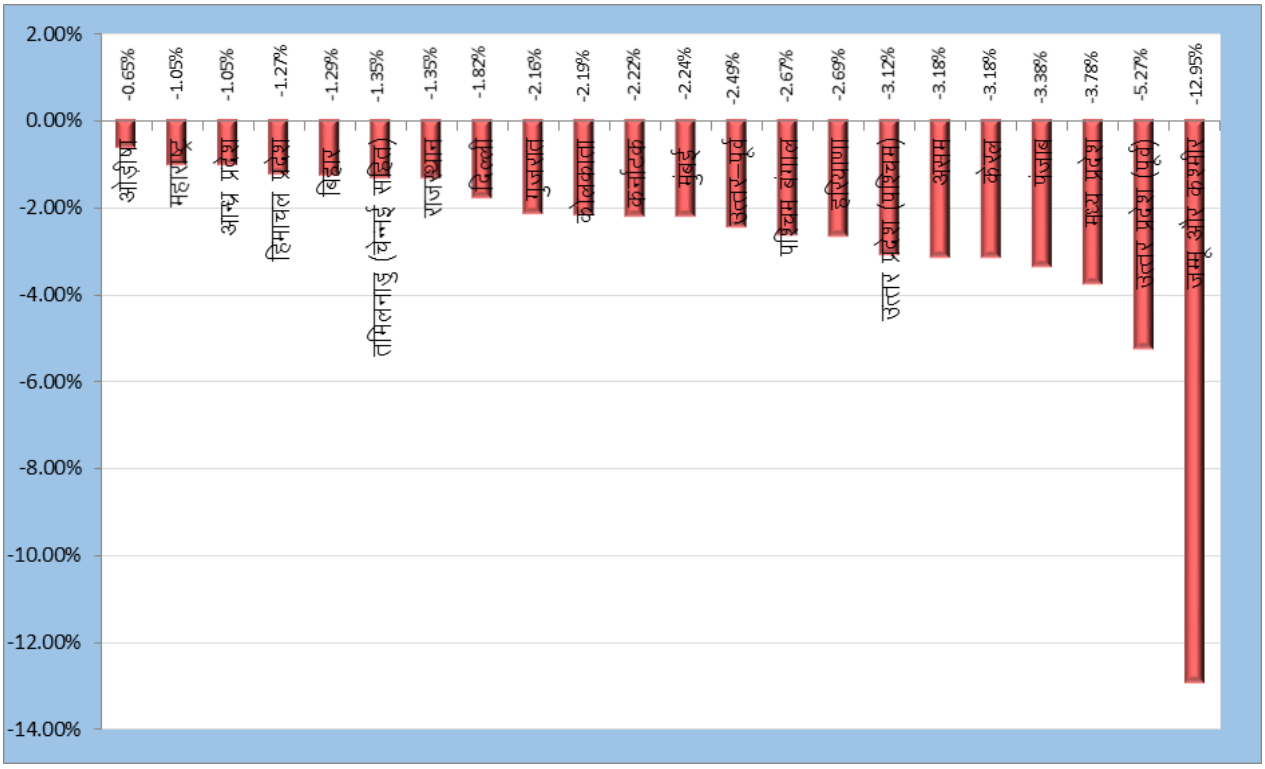

- नवंबर, 2019 माह के दौरान सभी सेवा क्षेत्रों में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में निबल ह्रास दर दर्ज की गई। इस माह के दौरान जम्मू और कश्मीर सेवा क्षेत्र में वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में सबसे अधिक 12.99 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर दर्ज की गई।

VI. मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी)

- अंतःसेवा–क्षेत्रीय मोबाइल नम्बर पोर्टेबिलिटी (एमएनपी) को प्रथमतया दिनांक 25.11.2010 से हरियाणा सेवा क्षेत्र में तथा दिनांक 21.01.2011 से देश के अन्य सभी भागों में लागू किया गया था। दिनांक 03.07.2015 से देश में अंतर्सेवा–क्षेत्रीय एमएनपी लागू किया गया है। अब, वायरलैस टेलीफोन उपभोक्ता एक सेवा क्षेत्र से दूसरे सेवा क्षेत्र में विस्थापित होने पर अपना मोबाइल नम्बर यथावत् रख सकते हैं।

- नवंबर, 2019 के माह में कुल 4.88 मिलियन टेलीफोन उपभोक्ताओं से एमएनपी के लिए अनुरोध प्राप्त हुए। इन 4.88 मिलियन अनुरोधों में से 2.66 मिलियन अनुरोध जोन–I से तथा 2.22 मिलियन अनुरोध जोन–II से प्राप्त हुए हैं। इसके साथ ही एमएनपी के आरंभ होने के तिथि से, संचयी एमएनपी अनुरोध अक्टूबर, 2019 के अंत तक 461.73 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2019 के अंत तक 466.62 मिलियन हो गया।

- एमएनपी क्षेत्र–I (उत्तरी तथा पश्चिम भारत) में राजस्थान में (लगभग 36.28 मिलियन) सबसे अधिक अनुरोध प्राप्त हुए जिसके बाद महाराष्ट्र में (लगभग 35.44 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं। एमएनपी क्षेत्र–II (दक्षिण तथा पूर्वी भारत) में सबसे अधिक अनुरोध कर्नाटक में (लगभग 42.55 मिलियन) प्राप्त हुए हैं जिसके बाद आंध्र प्रदेश में (लगभग 39.28 मिलियन) अनुरोध प्राप्त हुए हैं।

सेवा क्षेत्र–वार एमएनपी हेतु दर्ज अनुरोध					
जोन–।			जोन–।।		
सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या		सेवा क्षेत्र	पोर्टिंग अनुरोधों की संख्या	
	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019		अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019
दिल्ली	23.79	24.06	आन्ध्र प्रदेश	38.90	39.28
गुजरात	30.80	31.10	असम	3.56	3.59
हरियाणा	16.74	16.88	बिहार	18.81	19.05
हिमाचल प्रदेश	2.25	2.28	कर्नाटक	42.26	42.55
जम्मू और कश्मीर	1.13	1.13	केरल	11.53	11.73
महाराष्ट्र	34.83	35.44	कोलकाता	10.97	11.04
मुंबई	23.24	23.43	मध्य प्रदेश	30.54	30.90
पंजाब	17.89	18.06	उत्तर–पूर्व	1.39	1.40
राजस्थान	36.03	36.28	ओड़ीशा	9.24	9.31
उत्तर प्रदेश–पूर्व	25.68	26.10	तमिलनाडु	38.60	38.98
उत्तर प्रदेश–पश्चिम	20.81	21.11	पश्चिम बंगाल	22.72	22.92
कुल	**233.21**	**235.87**	कुल	**228.53**	**230.74**
कुल (जोन–। + जोन–।।)				**461.73**	**466.62**
जोड़े गए निवल उपभोक्ता (नवंबर, 2019 माह में)				4.88 मिलियन	

VII. वायरलाइन उपभोक्ता

- वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या अक्टूबर, 2019 के अंत तक 21.45 मिलियन से घटकर नवंबर, 2019 के अंत तक 21.29 मिलियन हो गया। इस माह में 0.73 प्रतिशत की मासिक ह्रास दर के साथ वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में 0.16 मिलियन की निबल कमी दर्ज की गई। सेवा प्रदाता–वार एवं सेवा क्षेत्र–वार वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या के विस्तृत आंकड़े अनुलग्नक–**III** में उपलब्ध हैं। नवंबर, 2019 के अंत में कुल वायरलाइन उपभोक्ताओं में शहरी तथा ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी क्रमशः 87.63 प्रतिशत तथा 12.37 प्रतिशत रही।

- समग्र वायरलाइन दूरसंचार घनत्व अक्टूबर, 2019 माह के अंत में 1.62 से घटकर नवंबर, 2019 माह के अंत में 1.61 हो गया। इसी दौरान शहरी तथा ग्रामीण वायरलाइन दूरसंचार घनत्व क्रमशः 4.41 तथा 0.29 रहा।

- नवंबर, 2019 के अंत में दोनों सार्वजनिक क्षेत्रों के सेवा प्रदाताओं यथा बीएसएनएल तथा एमटीएनएल के पास वायरलाइन बाजार की 60.98 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। नवंबर, 2019 माह में वायरलाइन क्षेत्र में टेलीफोन सेवा प्रदातावार बाजार की हिस्सेदारी तथा वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जुड़े निवल नये ग्राहकों को नीचे रेखाचित्र में प्रदर्शित किया गया है:–

दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार एक्सेस सेवा प्रदातावार वायरलाइन उपभोक्ता आधार की बाजार हिस्सेदारी

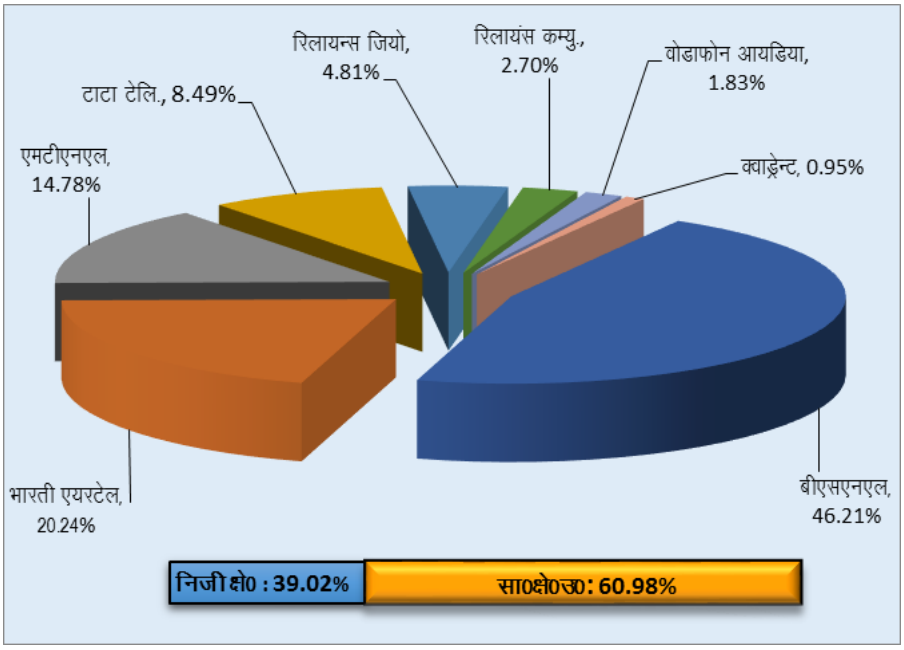

नवंबर 2019 माह में टेलीफोन सेवा प्रदाताओं के वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में जोड़े गए/कम हुए निबल नए उपभोक्ता

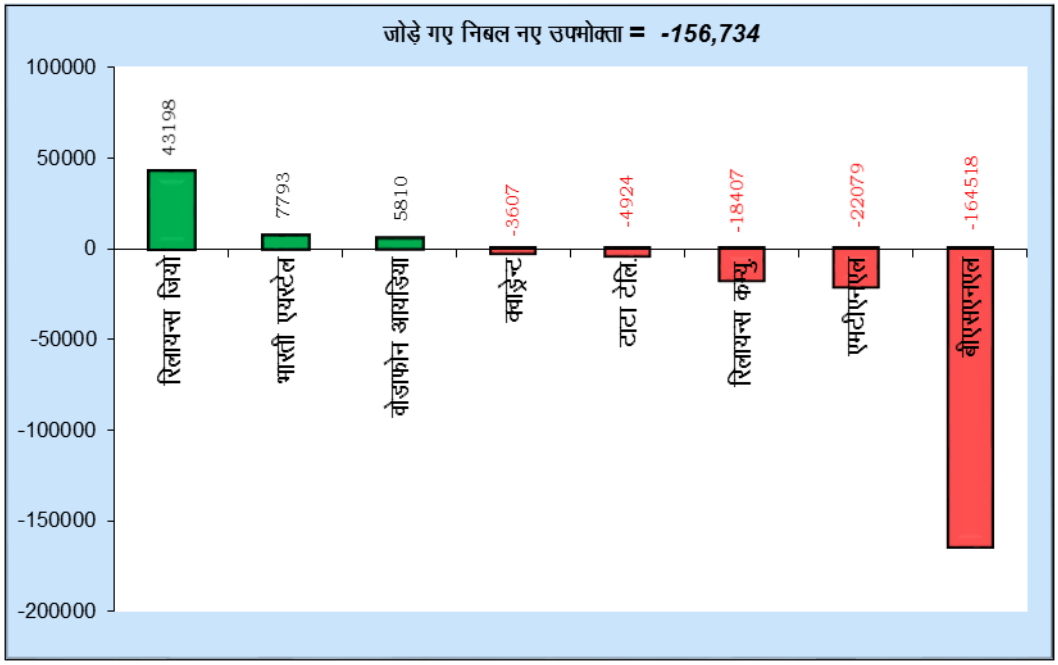

VIII. ब्रॉडबैंड सेवा (512 केबीपीएस अथवा उससे अधिक डाउनलोड स्पीड)

- अक्टूबर माह में 340 सेवा प्रदाताओं से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, अक्टूबर, 2019 के अंत तक ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या 644.08 मिलियन से बढ़कर नवंबर, 2019 के अंत में 661.27 मिलियन हो गई जिसमें मासिक वृद्धि दर 2.67 प्रतिशत रही। श्रेणीवार ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या तथा उनकी मासिक वृद्धि दर नीचे दी गई है:

ब्रॉडबैंड उपभोक्ता आधार तथा उनकी मासिक वृद्धि दर

विवरण	ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (मिलियन में)		नवंबर, 2019 माह में मासिक वृद्धि दर (प्रतिशत)
	दिनांक 31 अक्टूबर, 2019 की स्थिति के अनुसार	दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार	
वायरलाईन ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या	19.08	19.13	0.28%
मोबाइल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या (फोन तथा डॉन्गल)	624.41	641.54	2.74%
फिक्सड वायरलैस ब्रॉडबैंड उपभोक्ता (वाई–फाई, वाई–मैक्स, प्वाईंट–टू –प्वाईंट रेडियो और वीएसएटी)	0.59	0.60	0.47%
कुल	**644.08**	**661.27**	**2.67%**

- नवंबर, 2019 के अंत तक सबसे बड़े पांच सेवा प्रदाताओं की बाजार हिस्सेदारी कुल ब्रॉडबैंड उपभोक्ताओं की संख्या का 98.99 प्रतिशत रही। ये सेवा प्रदाता रिलायंस जियो (370.76 मिलियन), भारती एयरटेल (139.92 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (119.89 मिलियन), बीएसएनएल (22.54 मिलियन) तथा अत्रिया कन्वर्जेंस (1.50 मिलियन) थे।

नोट : कुछ वायरलैस सेवा प्रदाता निर्धारित न्यूनतम उपयोग के आधार पर कभी–कभार डाटा सेवा प्राप्त करने वाला डाटा उपयोगकर्ताओं को अपने उपभोक्ताओं की संख्या से पृथक रखते हैं।

- ब्रॉडबैंड सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी का रेखाचित्रवार प्रदर्शन नीचे दिया गया है:

दिनांक 30.11.2019 की स्थिति के अनुसार ब्रॉडबैंड (वायरलाईन +वायरलैस) सेवाओं की सेवा प्रदातावार बाजार हिस्सेदारी

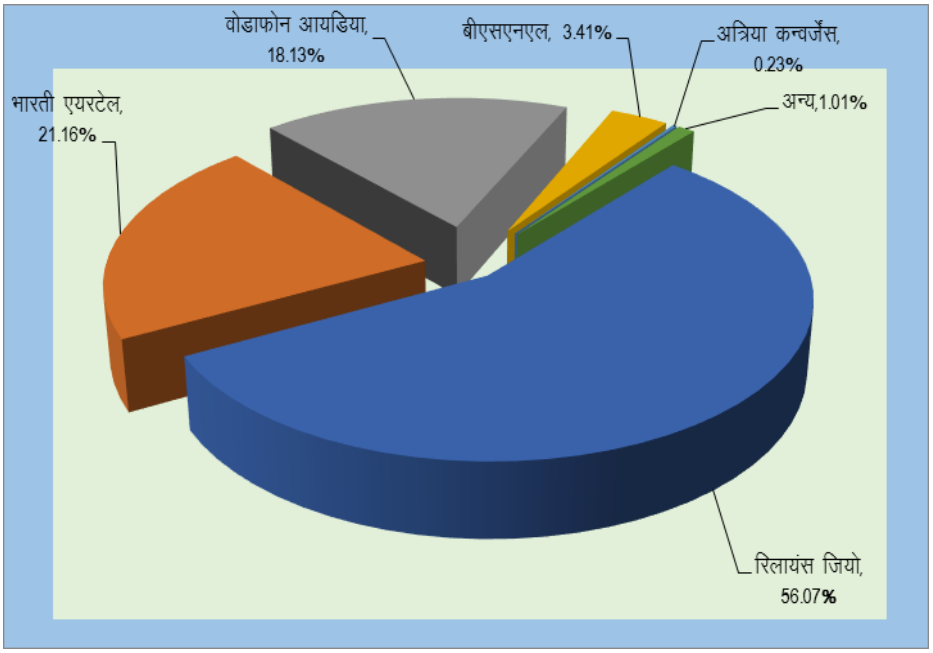

- दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार वायरलाईन सेवा प्रदान करने वाले पॉच सबसे बड़े ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में बीएसएनएल (8.51 मिलियन), भारती एयरटेल (2.41 मिलियन), अत्रिया कन्वर्जेंस टेक्नॉलाजी (1.50 मिलियन), हाथवे केबल एंड डाटाकॉम प्रा0 लि0 (0.88 मिलियन) तथा रिलायंस जियो (0.83 मिलियन) थे।

- दिनांक 30 नवंबर, 2019 की स्थिति के अनुसार पॉच सबसे बड़े वायरलेस ब्रॉडबैंड सेवा प्रदाताओं में रिलायंस जियो (369.93 मिलियन), भारती एयरटेल (137.51 मिलियन), वोडाफोन आइडिया (119.87 मिलियन), बीएसएनएल (14.02 मिलियन) तथा एमटीएनएल (0.20 मिलियन) थे।

किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें

श्री एस. के. मिश्रा, प्रधान सलाहकार (एफएंडईए),
भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
महानगर दूरसंचार भवन, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,
नई दिल्ली–110002
फोन–011–23221856
फैक्स–011–23235249
ई–मेलः skmishra.trai@nic.in

जारी करने के लिए प्राधिकृतः

(एस. के. मिश्रा)
प्रधान सलाहकार (एफएंडईए)

वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–1

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह															
	भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		वोडाफोन आइडिया		बीएसएनएल		बीएसएनएल (वीएनओ)		एमटीएनएल		रिलायंस जियो		कुल उपभोक्ताओं की संख्या	
	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019
आन्ध्र प्रदेश	28545826	28750922	2013	2012	20648025	19084767	9974217	9927070					28981853	29461868	**88151934**	**87226639**
असम	8310285	8382286			5698641	4712355	2705457	2730679					7719510	7831468	**24433893**	**23656788**
बिहार	35711415	35815764	228	228	18111434	15916391	5035542	5140243					27002003	27880382	**85860622**	**84753008**
दिल्ली	15292490	15504485	1779	1779	19091543	17790694					2190398	2187738	17414580	17523680	**53990790**	**53008376**
गुजरात	10904762	10995363	582	583	29598515	27624359	6068524	6076716					22592688	22972945	**69165071**	**67669966**
हरियाणा	4395690	4473276	172	172	10210941	9318951	5007976	4985316					9072816	9137369	**28687595**	**27915084**
हिमाचल प्रदेश	3410759	3433764	72	72	1187943	965559	2929237	2940044					3366959	3417657	**10894970**	**10757096**
जम्मू और कश्मीर	5232540	4114051			1078820	576932	1263290	1269058					3717749	3870140	**11292399**	**9830181**
कर्नाटक	28361506	28559283	1372	1373	14115962	12171470	7319075	7320502					19419199	19626706	**69217114**	**67679334**
केरल	5519712	5557018	533	533	20123224	18552272	10922653	10928286					8530002	8623730	**45096124**	**43661839**
कोलकाता	6348947	6369152	33	33	8498065	7790420	1752817	1790275					9869438	9938455	**26469300**	**25888335**
मध्य प्रदेश	14819228	14908793	886	889	27552061	24990695	7169907	6344618					28033989	28399476	**77576071**	**74644471**
महाराष्ट्र	15490210	15841466	874	878	43065411	40296333	6325755	7128441					28998313	29631665	**93880563**	**92898783**
मुंबई	9628598	9762390	3334	3067	14708919	13628224					1196411	1193720	13546329	13619808	**39083591**	**38207209**
उत्तर–पूर्व	5208515	5228707			2352533	1957784	1458757	1465344					3414911	3473244	**12434716**	**12125079**
ओड़ीशा	11944911	11908090	339	340	3983604	3502168	5832597	5905152					11675118	11904782	**33436569**	**33220532**
पंजाब	10277540	10375636	292	295	11418748	9804885	5624285	5676700					13281121	13370870	**40601986**	**39228386**
राजस्थान	21184395	21320162	420	420	15541970	14095061	6096708	6111684					23513775	23911376	**66337268**	**65438703**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	25418608	25611329	2878	2879	23114232	21417991	12181968	12252922	87578	90820			22391177	22695596	**83196441**	**82071537**
उत्तर प्रदेश (पूर्व)	30489866	30879095	871	881	32664058	26490350	11615374	11601074					26091202	26574041	**100861371**	**95545441**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	13249633	13548234	62	62	27683546	25191076	5882081	5917215					18808356	18919770	**65623678**	**63576357**
पश्चिम बंगाल	15904162	15969509	778	778	22228494	20378587	2093714	2087075					16884096	17148824	**57111244**	**55584773**
कुल	**325649598**	**327308775**	**17518**	**17274**	**372676689**	**336257324**	**117259934**	**117598414**	**87578**	**90820**	**3386809**	**3381458**	**364325184**	**369933852**	**1183403310**	**1154587917**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निबल संख्या		1659177		-244		-36419365		338480		3242		-5351		5608668	**0**	**-28815393**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	*141666588*	*144769017*	*0*	*0*	*193321464*	*173756808*	*37368209*	*37449402*	*0*	*0*	*45779*	*45724*	*148076996*	*151234791*	**520479036**	**507255742**

अनुलग्नक–**II**

नवंबर, 2019 के माह के दौरान अधिकतम वीएलआर की तिथि को वीएलआर का अनुपात (प्रतिशत में)

सेवा क्षेत्र	भारती एयरटेल	बीएसएनएल	वोडाफोन आइडिया	एमटीएनएल	रिलायन्स कम्यु.	रिलायन्स जियो	कुल
आन्ध्र प्रदेश	103.55	65.53	89.45		64.07	80.16	**88.24**
असम	95.89	54.05	82.65		-	82.79	**84.09**
बिहार	94.46	54.95	82.92		37.72	96.22	**90.48**
दिल्ली	86.22		83.41	17.76	99.89	75.15	**78.79**
गुजरात	91.59	48.78	92.61		30.19	74.37	**82.31**
हरियाणा	102.07	36.10	86.94		38.95	65.05	**73.12**
हिमाचल प्रदेश	93.49	39.76	94.70		44.44	70.37	**71.57**
जम्मू और कश्मीर	115.69	50.53	78.06		-	77.17	**89.90**
कर्नाटक	97.39	58.59	90.97		99.64	78.74	**86.63**
केरल	95.23	67.22	93.54		32.83	68.36	**82.19**
कोलकाता	93.22	57.19	89.09		-	77.77	**83.55**
मध्य प्रदेश	97.02	48.55	86.60		41.51	90.01	**86.74**
महाराष्ट्र	97.29	52.93	93.37		58.43	88.89	**89.51**
मुंबई	75.32		75.15	44.90	99.93	72.77	**73.40**
उत्तर–पूर्व	97.10	72.74	79.56		-	87.87	**88.68**
ओड़ीशा	93.38	68.86	90.28		13.82	86.81	**86.34**
पंजाब	96.76	42.17	84.18		23.05	69.37	**76.38**
राजस्थान	94.50	46.17	91.62		33.57	77.75	**83.24**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	92.64	68.26	93.01		78.92	78.46	**85.15**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	101.52	38.63	90.15		37.91	87.28	**86.77**
उत्तर प्रदेश (पश्चिम)	96.80	41.88	87.54		45.16	77.61	**82.31**
पश्चिम बंगाल	92.74	82.57	88.41		27.76	90.43	**90.06**
कुल	**103.55**	**65.53**	**89.45**		**64.07**	**80.16**	**88.24**

नोट : इनरोमर्स की बड़ी संख्या के कारण कुछ सेवा प्रदाताओं के कुछ सेवा क्षेत्रों में अधिकतम वीएलआर आंकड़े, एचएलआर आकड़ों से अधिक हैं।

वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या

अनुलग्नक–**III**

सेवा क्षेत्र	सेवा प्रदाता समूह																कुल संख्या	
	बीएसएनएल		एमटीएनएल		भारती एयरटेल		रिलायन्स कम्यु.		टाटा टेलि.		क्वाडेंट		वोडाफोन आयडिया		रिलायंस जियो			
	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर , 2019	नवंबर, 2019	अक्टूबर, 2019	नवंबर, 2019
आन्ध्र प्रदेश	818180	809997			212705	213246	34897	33703	173281	171789			45835	46285	94057	98707	**1378955**	**1373727**
असम	101030	98837											3330	3390	9541	10501	**113901**	**112728**
बिहार	158276	155193					2382	2317	8347	8381			1920	1920	13300	14408	**184225**	**182219**
दिल्ली			1442500	1427369	1493575	1494423	84650	82869	152184	151113			67165	68335	77776	80556	**3317850**	**3304665**
गुजरात	847524	836759			97387	97330	14519	11470	87629	86892			31476	31596	133529	136638	**1212064**	**1200685**
हरियाणा	189959	187134			22362	22070	1970	1918	38792	38936			270	270	19081	20508	**272434**	**270836**
हिमाचल प्रदेश	100412	99302					1573	1543	1897	1953			60	60	256	355	**104198**	**103213**
जम्मू और कश्मीर	120911	122540													6140	8043	**127051**	**130583**
कर्नाटक	940274	933093			720736	724105	107469	105468	274799	275334			53567	54887	51317	54835	**2148162**	**2147722**
केरल	1705177	1677609			62819	62983	12798	12142	19761	19703			5250	5250	11027	12107	**1816832**	**1789794**
कोलकाता	427302	415297			132047	132570	35987	35461	53328	53616			11600	11810	31913	32879	**692177**	**681633**
मध्य प्रदेश	599419	572546			241111	240853	5699	5527	14964	14603			1770	1800	45804	48099	**908767**	**883428**
महाराष्ट्र	952275	935736			105354	105969	41041	39313	265370	264587			26503	26503	35171	36750	**1425714**	**1408858**
मुंबई			1725228	1718280	384665	387168	155253	152538	548975	547784			69707	71557	199079	203404	**3082907**	**3080731**
उत्तर–पूर्व	95509	94064											240	240	3712	4242	**99461**	**98546**
ओड़ीषा	201943	195006					1911	1877	8511	8535			5460	5670	6292	6818	**224117**	**217906**
पंजाब	342884	337178			137495	137543	10393	10232	12265	12048	205232	201625	3000	3000	36356	38153	**747625**	**739779**
राजस्थान	391762	385204			57595	57527	15438	14174	11622	11657			13560	13590	38063	40107	**528040**	**522259**
तमिलनाडु (चेन्नई सहित)	1294695	1281102			546741	547050	58510	56137	125506	125364			25210	25360	80232	83019	**2130894**	**2118032**
उत्तर (प्रदेश–पूर्व)	306281	302460			63235	62592	3904	3333	8277	8291			12470	12680	30449	32508	**424616**	**421864**
उत्तर प्रदेश (पष्चिम)	233204	227643			24164	24355	2368	2335	4885	4918			5460	5460	50251	53269	**320332**	**317980**
पश्चिम बंगाल	175070	170869					1654	1652	2530	2495			120	120	7137	7775	**186511**	**182911**
कुल	**10002087**	**9837569**	**3167728**	**3145649**	**4301991**	**4309784**	**592416**	**574009**	**1812923**	**1807999**	**205232**	**201625**	**383973**	**389783**	**980483**	**1023681**	**21446833**	**21290099**
जुड़े नए उपभोक्ताओं की निवल संख्या		-164518		-22079		7793		-18407		-4924		-3607		5810		43198		**-156734**
ग्रामीण उपभोक्ताओं की संख्या	2591960	2543997	0	0	0	0	1125	1097	47069	46926	40322	39764	0	0	2322	2446	**2682798**	**2634230**

अनुलग्नक–**IV**

वायरलैस क्षेत्र में वीएलआर उपभोक्ता

होम लोकेशन रजिस्टर (एचएलआर) एक केन्द्रीयकृत डाटाबेस है जिसमें प्रत्येक मोबाइल फोन उपभोक्ताओं की संख्या का ब्योरा अंतर्विष्ट होता है जो कि जीएसएम मुख्य नेटवर्क उपयोग करने के लिए प्राधिकृत है। एचएलआर में सेवा प्रदाता द्वारा जारी प्रत्येक सिम कार्ड का ब्यौरा रखा जाता है। प्रत्येक सिम की एक विशिष्ट पहचान होती है जिसे अंतर्राष्ट्रीय मोबाइल पहचान (आईएमएसआई) कहते हैं, जोकि प्रत्येक एचएलआर रिकार्ड की प्राथमिक कुंजी होता है। एचएलआर डॉटा को तब तक सुरक्षित रखा जाता है जब तक उपभोक्ता, सेवा प्रदाता के साथ जुड़ा रहता है। एचएलआर प्रशासनिक क्षेत्रों में उपभोक्ताओं की स्थिति को अद्यतन कर उपभोक्ताओं के अंतरण का भी प्रबंधन करता है। यह विजिटर अवस्थिति रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ता का डाटा भेजता है।

उपभोक्ताओं की संख्या के बारे में सेवा प्रदाता द्वारा दी गई संख्या, सेवा प्रदाता के एचएलआर में पंजीकृत आईएमएसआई की संख्या तथा नीचे दिए गए अन्य आंकड़ों का जोड़ हैः–

1.	एचएलआर में कुल आईएमएसआई (ए)
2.	घटाः (बी=क+ख+ग+घ+ङ)
क.	जांच/सेवा कार्ड
ख.	कर्मचारी
ग.	हस्तगत स्टॉक/संवितरण चेनल (एक्टिव कार्ड)
घ.	उपभोक्ताओं को बनाए रखने की अवधि की समाप्ति
ङ	कनेक्शन को बंद किए जाने के दौरान सेवा समाप्ति
3.	उपभोक्ताओं की संख्या (ए – बी)

विजिटर लोकेशन रजिस्टर (वीएलआर) उपभोक्ताओं का एक अस्थायी डाटाबेस होता है जिन्होंने किसी सेवा प्रदाता के सेवा क्षेत्र के विशिष्ट क्षेत्र में दौरा (रोम–इन) किया है। नेटवर्क में प्रत्येक बेस स्टेशन को केवल एक वीएलआर द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। इसलिए, कोई उपभोक्ता एक समय में एक से अधिक वीएलआर में मौजूद नहीं रह सकता है।

यदि उपभोक्ता सक्रिय अवस्था में है अर्थात् वह कॉल करने/प्राप्त करने/एसएमएस भेजने/प्राप्त करने में सक्षम है, तो वह एचएलआर तथा वीएलआर में उपलब्ध है। तथापि, यह संभव है कि उपभोक्ता ने फोन बंद कर रखा हो अथवा वह कवरेज क्षेत्र से बाहर चला गया हो, पहुंच क्षेत्र से बाहर हो तथा इस कारण वह एचएलआर में पंजीकृत हो तथा वीएलआर में पंजीकृत नहीं हो। ऐसी परिस्थितियों में वह एचएलआर में उपस्थित होगा वीएलआर में नहीं। इससे सेवा प्रदाताओं द्वारा संसूचित उपभोक्ताओं की संख्या तथा वीएलआर में उपलब्ध संख्या के बीच अंतर आ जाता है।

यहां परिकलित वीएलआर डॉटा, जिस विशिष्ट माह के लिए आंकड़ों को संग्रहित किया जा रहा है, उसके लिए अधिकतम वीएलआर की तिथि पर वीएलआर में सक्रिय उपभोक्ताओं के आधार पर परिकलित किया जाता है। यह डाटा ऐसे स्विचों से लिये जाने होते हैं जिनका 72 घंटों से अधिक का 'पर्ज टाइम' (डाटा समाप्ति का समय) न हो।

———————